अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय

सूर्यबाला का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

1.1 सूर्यबाला का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 1

1.2 सूर्यबाला का व्यक्तित्व 1

1.2.1 सूर्यबाला का बहिरंग 3

1.2.2 सूर्यबाला का अंतरंग 3

1.2.3 सूर्यबाला की शिक्षा 4

1.2.4 पारिवारिक जीवनशैली 4

1.2.5 सूर्यबाला का कार्यक्षेत्र 5

1.2.6 सूर्यबाला का साहित्यसृजन का उद्देश्य 5

1.2.7 सूर्बाला की भ्रमण वृत्ति 6

1.2.8 सूर्यबाला का उपन्यास साहित्य 7

1.2.8.1 मेरे संधिपत्र 8

1.2.8.2 सुबह के इंतजार तक 9

1.2.8.3 अग्निपंखी 10

1.2.8.4 दीक्षांत 11

1.2.8.5 यामिनी कथा 13

1.2.9 सूर्यबाला द्वारा रचित कहानी संग्रह 14

1.2.9.1 कात्यायनी संवाद 15

1.2.9.2 बिन रोई लडकी 15

1.2.9.3 बिहिशत बनाम मोजीराम की झाड़ू 16

1.2.9.4 कागज़ की नाव एवं चाँदी के बादल 16

1.2.9.5 एकलॉन कीजबानी 16

1.2.9.6 सिखचों के आर पार 16

1.2.10 सूर्यबाला की लोकप्रिय कहानियाँ 17
1.2.10.1 कंगाल 17
1.2.10.2 माय नेम इज़ तात 17
1.2.10.3 न किन्नी न 18
1.2.10.4 तोहफ़ा 18
1.2.11 एक इंद्रधनुष जुबेदा के नाम 19
1.2.11.1 निर्वासित 19
1.2.11.2 रेस 20
1.2.11.3 अविभाज्य 20
1.2.11.4 दरारें 20
1.2.12 थाली भर चाँद 20
1.2.12.1.1 रहम दिल 21
1.2.12.1.2 रमन की चाची 21
1.2.12.1.3 पडाव 22
1.2.12.1.4 संताप 22
1.2.12.1.5 झील 22
1.2.13 सांझवाती (कहानी संग्रह) 23
1.2.13.1 दिशाहीन 23
1.2.13.2 सांझवाती 23
1.2.13.3 विजेता 24
1.2.13.4 सुनंदा छोकरी की डायरी 24
1.2.13.5 आखरी विदा 24
1.2.14 दीशाहीन (कहानी संग्रह) 25
1.2.14.1 कतारबंद स्वीकृतियाँ 25
1.2.14.2 पुल टूटते हुए 25
1.2.14.3 गुजरती हदें 26

1.2.14.4 घटनाहीन 26
1.2.15 पाँचलंबी कहानियाँ (कहानी संग्रह 26
1.2.15.1 भुक्कड़ की औलाद 27
1.2.15.2 गृहप्रवेश 27
1.2.15.3 मानसी 28
1.2.16 सूर्यबाला की व्यंग्य रचनाओं का परिचय 28
1.2.16.1 परलोक के ऊपरी माले से 29
1.2.16.2 एक पुरस्कार यात्रा 29
1.2.16.3 बड़े बाबू, बिलॉक साहब बनाम तैयारी महबूब आने की 29
1.2.16.4 अगली सदी के शोधपत्र 30
1.2.16.5 यह देश और सोनिया गाँधी 30
1.2.16.6 रचनात्मक आयामों से बचते-बचते 30
1.2.16.7 हाय! मैंने क्यों नहीं लिखा सीरियल 31
1.2.16.8 दो शब्द डूब मरने की बात 31
1.2.16.9 टेपरिकॉर्डर की गागर में सागर बनाम संस्कृति का बारहमासा 31
1.2.16.10 भारतीय रेल का फलित ज्योतिष अथवा हे गाड़ी! तू बोल 31
1.2.16.11 मेरे आनेवाली फिल्म की रुपरेखा 32
1.2.16.12 बोल री कठपुतली 32
1.2.16.13 सवाल जामचक्कों की दुरुस्ती का 32
1.2.16.14 देश सेवा के तालमेल किस्ते 33
1.2.16.15 संदर्भ भारतेन्दू हिंदी और बाजी का 33
1.2.16.16 तुर्भेवाली बस 33
1.2.16.17 दल निर्माण की पूर्व संध्या पर 33
1.2.16.18 खुराफती सपना 33

1.2.16.19 हिंदी साहित्य की पुरस्कार परंपरा 34
1.2.16.20 जागो मोहन प्यारे 34
1.2.17 भगवान ने कहा था (व्यंग्य संकलन) 34
1.2.17.1 भगवान ने कहा था 34
1.2.17.2 पुरस्कार मेले की उत्तर आधुनिकता 35
1.2.17.3 जन आकांक्षा का टाइटल सॉन्ग 35
1.2.17.4 मेरे व्यंग्य लिखने का कारण 35
1.2.17.5 स्त्री उन्मुक्ति के उपलक्ष में 35
1.2.17.6 कोटा नाम का शहर 36
1.2.17.7 जड़ों से जुड़ने का सवाल 36
1.2.17.8 सब्र का अंत ही व्यंग्य की शुरुआत 36
1.2.17.9 यात्रा एकसम्मेलन की 36
1.2.17.10 प्रभु जी! तुम डॉलर हम पानी 37
1.2.17.11 हिन्दी साहित्य और पचास के हुए लेखक 37
1.2.17.12 साहित्य में शालीनता का अर्थ 37
1.2.17.13 रिटायरनामा 37
1.2.17.14 साठ के हुए लेखक 38
1.2.18 मेरी प्रिय व्यंग्य रचनाएँ 38
1.2.18.1 काटना पागल कुत्ते का 39
1.2.18.2 पापी पपीता रे 39
1.2.18.3 जीर्णोद्धार एक खस्ताहाल कहावत का 39
1.2.18.4 अथः कलयुग गुरुदेव रासो 39
1.2.18.5 सोफानामा 39
1.2.18.6 आत्मकथा हिंदी फिल्म के पिताओं की 39
1.2.18.7 एक अभूतपूर्व डेमाँस्ट्रेशन: खाना ईंट का 40
1.2.18.8 मन चंगा तो कठौती में गंगा 40

1.2.18.9 अथ कलयुग गुरुदेव रासो: 40
1.2.18.10 चौरस्ते पर संवाद 41
1.2.19 सूर्यबाला का बाल साहित्य 41
1.2.19.1 झगड़ा निपटाकर दफ्तर 42
1.2.19.2 श्यामू जिंदाबाद 42
1.2.19.3 यह जो मेरे पापा है ना 42
1.2.19.4 नाक पर चढ़ा गुस्सा 43
1.2.19.5 मम्मी की खुफियागिरी 43
1.2.19.6 मेरा फ्लॉप शो 43
1.2.19.7 लच्छू महाराज की जय 44
1.2.19.8 रानू भाट की बहु 44
1.2.19.9 खुराफतों की वर्कशॉप 44
1.2.19.10 हाय-हाय ये चुगलखोरियाँ मेरी 44
1.2.19.11 लॉलीपॉप 45
1.2.19.12 मेहनती तोतेराम 45
1.2.19.13 होली पर एक प्रतियोगिता 45

द्वितीय अध्याय
उपन्यास का उद्भव और विकास

2.0 उपन्यास का उद्भव और विकास 48
2.0.1 प्रेमचंद युग के हिंदी उपन्यास 51
2.0.2 प्रेमचंदोत्तर युग (1936 से 1960) 53
2.0.3 आधुनिक युग 54
2.1 कहानी का उद्भव एवं विकास 56
2.1.1 प्रेमचंद-पूर्व युग 57
2.1.2 प्रेमचंद-प्रसाद युग 58

2.1.3 उत्तर प्रेमचंद युग 59
2.1.4 स्वातंत्र्योत्तर कहानी 60
2.1.5 साठोत्तर कहानी 61
2.1.6 अकहानी 62
2.1.7 आंचलिक कहानी 63
2.1.8 सचेतन कहानी 63
2.1.9 समांतर कहानी 64
2.2 व्यंग्य का उद्भव और विकास 65
2.2.1 व्यंग्य 65
2.2.2 आरंभिक युग में व्यंग्य 66
2.2.3 भक्तिकाल 67
2.2.4 रीतिकाल 68
2.2.5 स्वतंत्रतापूर्व युग 69
2.2.6 स्वातंत्र्योत्तर युग 69
2.2.7 आधुनिक काल 70
2.3 बाल साहित्य का उद्भव और विकास 72
2.3.1 वीरगाथा काल 74
2.3.2 भक्तिकाल 75
2.3.3 रीतिकाल 76
2.3.4 आधुनिक काल 77

तृतीय अध्याय

सूर्यबाला के उपन्यासों का मूल्यांकन

3.0 सूर्यबाला के उपन्यासों का मूल्यांकन 82
3.1 अग्निपंखी (दो लघु उपन्यास) 83

3.1.1 अग्निपंखी : उपन्यास 83
3.1.2 पात्र परिचय 85
3.1.3 जयशंकर 85
3.1.4 जीजी 86
3.1.5 संवाद 87
3.1.6 देशकाल और वातावरण 88
3.1.7 भाषा शैली 88
3.1.8 उद्देश्य 89
3.2 सुबह के इंतजार तक (लघु उपन्यास) 89
3.2.1 पात्र परिचय 92
3.2.2 मानु 92
3.2.3 बुलू 92
3.2.4 काकी 93
3.2.5 गौण पात्र 93
3.2.6 संवात 93
3.2.7 देशकाल 94
3.2.8 भाषाशैली 94
3.2.9 उद्देश्य 95
3.3 यामिनी कथा 95
3.3.1 पात्र 99
3.3.2 यामिनी 99
3.3.3 विश्वास 100
3.3.4 निखिल 100
3.3.5 गौण पात्र 101

3.3.6 संवाद 101
3.3.7 देशकाल एवं वातावरण 102
3.3.8 भाषा शैली 102
3.3.9 उद्देश्य 102
3.4 दीक्षांत 103
3.4.1 पात्र परिचय 108
3.4.2 डॉ. शर्मा सर 108
3.4.3 कुंती 109
3.4.4 प्रिंसिपल राजदान 110
3.4.5 संवाद 110
3.4.6 देशकाल एवं वातावरण 111
3.4.7 भाषा शैली 111
3.4.8 उद्देश्य 111
3.5 मेरे संधिपत्र 112
3.5.1 पात्र परिचय 114
3.5.2 शिवा 114
3.5.3 रिंकी 115
3.5.4 संवाद 115
3.5.5 देशकाल एवं वातावरण 116
3.5.6 भाषा शैली 116
3.5.7 उद्देश्य 116

चतुर्थ अध्याय
सूर्यबाला की कहानियों का मूल्यांकन

4.0 सूर्यबाला की कहानियों का मूल्यांकन 119

4.1 सूर्यबाला का कहानी क्षेत्र में प्रवेश 119
4.2 सूर्यबाला की कहानियों की रचना 120
4.3 सांझवाती कहानी संग्रह 121
4.4 कात्यायनी संवाद 144
4.5 सूर्यबाला की इक्कीस कहानियाँ 169
4.6 एक इन्द्रधनुष जुबेदा के नाम 208
4.7 थाली भर चाँद 246
4.8 गृहप्रवेश 249

पंचम अध्याय

व्यंग्य साहित्य का मूल्यांकन

5.0 सूर्यबाला की कहानियों का मूल्यांकन 276
5.1 साहित्यिक व्यंग्य रचनाओं का मूल्यांकन 278
5.2 एक पुरस्कार यात्रा 280
5.3 हिन्दी साहित्य की पुरस्कार परम्परा 281
5.4 हिन्दी साहित्य और पचास के हुए लेखक 282
5.5 साठ के हुए लेखक 283
5.6 पुरस्कार मेले की उत्तर-आधुनिकता 284
5.7 कोटा नाम का शहर 285
5.8 मेरे व्यंग्य लिखने के कारण 286
5.9 साहित्य में कार और ड्राइवर का योगदान 287
5.10 समकालीन लेखकों को पत्रोत्तर 288
5.11 मेरी आनेवाली फिल्म 289
5.12 सामाजिक विसंगतियों पर आधारित व्यंग्य रचनाओं का मूल्यांकन 292
5.12.1 रचनात्मक आयामों से बचते बचते 293

5.12.2 बड़े बाबू, बिलॉक साहब बनाम
तैयारी महबूब के आने की 294
5.12.3 रिटायरनामा 295
5.12.4 कॉलनी में कुत्ता 296
5.12.5 भारतीय रेल का फलित 297
5.12.6 जन आकांक्षा का टाइटल सॉन्ग 298
5.12.7 पापी पपीता रे 299
5.12.8 मन चंगा तो कठौती में गंगा 299
5.12.9 चौरस्ते पर संवाद 301
5.13 राजनीतिक व्यंग्य रचनाओं का मूल्यांकन 304
5.13.1 यह देश और सोनीया गाँधी 305
5.13.2 देशसेवा के तालमेल 305
5.13.3 भगवान ने कहा था 306
5.13.4 समस्या मुख्यमंत्री की 307
5.13.5 देश सेवा के अखाड़े में 308
5.14 नारी पर आधारित व्यंग्य रचना 310
5.14.1 महिला दिवस और फ्रेन्च टोस्ट 310
5.14.2 स्त्री उन्मुक्ति के उपलक्ष में 312
5.14.3 सवाल जामचक्कों की दुरस्ती का 312
5.14.4 स्त्री विमर्श का स्वर्ण युग 313
5.14.5 ससुराल स्त्री विमर्श 314
5.15 विदेश यात्राओं पर आधारित व्यंग्य रचनाओं का मूल्यांकन 315
5.15.1 वाया अमेरिका 315
5.15.2 जड़ों से जुड़ने का सवाल 316
5.15.3 प्रभुजी! तुम डॉलर हम पानी 317
5.16 बाल साहित्य का मूल्यांकन 318

5.16.1 झगड़ा निपटाकर दफ्तर 320
5.16.2 शामू ज़िंदाबाद 321
5.16.3 ये जो मेरे पापा है 322
5.16.4 नाक पर गुस्सा 323
5.16.5 मम्मी की खुफियागीरी 324
5.16.6 मेरा फ्लॉप शो 325
5.16.7 लच्छु महाराज की जय 326
5.16.8 रानो भाट की बहू 327
5.16.9 खुराफतों की वर्कशॉप 328
5.16.10 लॉलीपॉप 329
5.16.11 हाय-हाय ये चुगलखोरियाँ 330
5.16.12 मेहनती तोतेराम 330
5.16.13 होली पर एक प्रतियोगिता 331
5.16.14 निष्कर्ष 332

षष्ठम् अध्याय
सूर्यबाला के उपन्यासों में निरुपित समस्याएँ

6.0 सूर्यबाला के उपन्यासों में निरुपित समस्याएँ 337
6.1 सामाजिक भेदभाव की समस्या 339
6.2 गरीबी की समस्या 342
6.3 बेरोजगारी 345
6.4 शिक्षा की समस्या 347
6.5 भ्रष्टाचार की समस्या 349
6.6 बलात्कार की समस्या 351
6.7 तलाक की समस्या 352
6.8 दहेज प्रथा की समस्या 353

6.9 झोपड़पट्टी की समस्या 354
6.10 पारिवारिक समस्या 355
6.11 मूल्य विघटन की समस्या 356
6.11.1 कर्तव्यपरायणता 357
6.11.2 प्यार 357
6.11.3 विश्वास 357
6.11.4 सत्य 358
6.11.5 त्याग 358
6.11.6 ममता 359
6.12 सूर्यबाला के कहानी साहित्य में निरुपित समस्याएँ 359
6.12.1 नारी जीवन की समस्या 361
6.12.2 आर्थिक समस्या 363
6.12.3 बेरोजगारी की समस्या 365
6.12.4 वृद्धों की समस्या 367
6.12.5 सांप्रदायिक (दंगों की समस्या) 370
6.12.6 भ्रष्टाचार की समस्या 372
6.12.7 महानगरीय जीवन की समस्या 374
6.12.8 युवाओं की मानसिक समस्या 377
6.12.9 समाज में बच्चों की समस्या 378
6.12.10 मानव शोषण की समस्या 382
6.12.11 मूल्य विघटन की समस्या 385
6.12.11.1 नैतिकता का मूल्या 385
6.12.11.2 त्याग की भावना 386
6.12.11.3 आस्था की भावना 386
6.13 व्यंग्य साहित्य में निरुपित समस्याएँ 387
6.13.1 भ्रष्टाचार की समस्या 388

6.13.2 राजनैतिक समस्या 390
6.13.3 बेरोजगारी की समस्या 392
6.13.4 गरीबी की समस्या 394
6.13.5 स्त्री शोषण की समस्या 394
6.13.6 दंगों की समस्या 397
6.13.7 विदेश पलायन की समस्या 398
6.13.8 राष्ट्रभाषा हिंदी की समस्या 399
6.13.9 अन्य समस्याएँ 400
6.14 बाल साहित्य में निरुपित समस्याएँ 400
6.14.1 बच्चों में झगड़ों की समस्या 401
6.14.2 बच्चों में गलत अनुकरण की समस्या 403
6.14.3 लड़का-लड़की में भेदभाव की समस्या 406
6.14.4 बच्चों में लालच की समस्या 408
6.14.5 बच्चों में चुगलखोरी की समस्या 411

सप्तम् अध्याय

समकालीन महिला साहित्यकारों में सूर्यबाला का स्थान

7.0 समकालीन महिला साहित्यकारों में सूर्यबाला का स्थान 415
7.1 समकालीनता की व्याख्या एवं परिभाषा 416
7.2 मन्नू भण्डारी 418
7.3 उषा प्रियंवदा 420
7.4 कृष्णा सोबती 421
7.5 ममता कालिया 422
7.6 मृणाल पाण्डेय 424
7.7 मृदुला गर्ग 425
7.8 चित्रा मुदगल 426

7.9 मैत्रेयी पुष्पा 428
7.10 नासिरा शर्मा 429
7.11 प्रभा खेतान 430
7.12 समकालीन महिला साहित्यकारों में सूर्यबाला 431
7.12.1 सूर्यबाला का व्यक्तित्व 433
7.12.2 सूर्यबाला का पारिवारिक जीवन 433
7.12.3 शिक्षा 434
7.12.4 सूर्यबाला के लिए साहित्य प्रेरणा स्त्रोत 435
7.12.5 सूर्यबाला द्वारा रचित रचनाएँ 436
7.12.6 साक्षात्कार 441
8.0 उपसंहार 454